



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 885]
No. 885]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 25, 2003/आश्विन 3, 1925
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 25, 2003/ASVINA 3, 1925

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)
अधिसूचना
नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 2003
आयकर

का.आ. 1109(अ).— केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80घघ की उपधारा (4) और धारा 80प की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 295 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (बीसवाँ संशोधन) नियम, 2003 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. आयकर नियम, 1962,—

(क) नियम 11क के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा और रखा गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

“11क. धारा 80घघ और धारा 80प के अधीन कटौती के प्रयोजनों के लिए
चिकित्सा प्राधिकारी से अभिप्राप्त किया जाना वाला प्रमाणपत्र

(1) धारा 80घघ की उपधारा (4) और धारा 80प की उपधारा (2) के प्रयोजनों के लिए, निर्धारित आयकर विवरणी के साथ अधिसूचना सं०

(1)

16-18/97-एनआई.1, तारीख 1 जून, 2001, जो भारत के राजपत्र, भाग 1, खंड 1, तारीख 13 जून, 2001 में प्रकाशित हुई थी और अधिसूचना सं० 16-18/97-एनआई.1, तारीख 18 फरवरी, 2002, जो भारत के राजपत्र, भाग 1, खंड 1, तारीख 27 फरवरी, 2002 में प्रकाशित हुई थी तथा निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 (1996 का 1) को ध्यान में रखते हुए, प्रमाणीकरण की विभिन्न निःशक्तताओं और प्रक्रिया के मूल्यांकन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन अधिसूचित की गई थी, में विहित प्रारूप में चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाणपत्र की प्रति भेजेगा।

(2) जहां निःशक्तता की स्थिति अस्थायी है और विनिर्दिष्ट अवधि के पश्चात् इसका पुनर्निर्धारण किया जाना अपेक्षित है वहां प्रमाणपत्र पूर्ववर्ती वर्ष से सुसंगत निर्धारण वर्ष से, जिसके दौरान प्रमाणपत्र जारी किया गया था, प्रारंभ होने वाली और पूर्ववर्ती वर्ष से सुसंगत निर्धारण वर्ष को समाप्त होने वाली अवधि, जिसके दौरान प्रमाणपत्र की वैधता समाप्त होती है, के लिए विधिमाम्य होगा।”;

(ख) नियम 11घ का लोप किया जाएगा और लोप किया गया समझा जाएगा।

[अधिसूचना सं. 225/2003/फा. सं. 142/16/2003-टीपीएल]

चन्द्रजीत सिंह, अवर सचिव

पाद टिप्पणी.—मुख्य नियम दिनांक 26 मार्च, 1962 की अधिसूचना सं. का.आ. 969 के अंतर्गत प्रकाशित किए गए थे जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है। ऐसा अंतिम संशोधन 12 सितम्बर, 2003 की अधिसूचना सं. का.आ. 1046(अ) के तहत किया गया था।

व्याख्यात्मक ज्ञापन :

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त संशोधन को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने पर किसी कर निर्धारिती के हित पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 25th September, 2003
INCOME-TAX

S.O. 1109(E).— In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 295 read with sub-section (4) of Section 80DD and sub-section (2) of Section 80U of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax (20th Amendment) Rules, 2003.

(2) They shall be deemed to come into force with effect from the 1st day of April, 2003.

2. In Income-tax Rules, 1962,-

(a) for rule 11A, the following rule shall be substituted and shall be deemed to have been substituted, namely:-

“11A. Certificate to be obtained from the medical authority for the purposes of deduction under section 80DD and section 80U

(1) For the purposes of sub-section (4) of section 80DD and sub-section (2) of section 80U, the assessee shall furnish along with the return of income, a copy of the certificate issued by the medical authority in the form prescribed vide notification No.16-18/97-NI.1, dated 1st June, 2001 published in the Gazette of India, Part I, Section 1 dated the 13th June, 2001 and notification No.16-18/97-NI.1, dated 18th February, 2002 published in the Gazette of India, Part I, Section 1 dated the 27th February, 2002 and notified under the Guidelines for evaluation of various disabilities and procedure for certification, keeping in view the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995(1 of 1996).

(2) Where the condition of disability is temporary and requires reassessment after a specified period, the certificate shall be valid for the period starting from the assessment year relevant to the previous year during which the certificate was issued and ending with the assessment year relevant to the previous year during which the validity of the certificate expires.”;

(b) rule 11D shall be omitted and shall be deemed to have been omitted.

[Notification No. 225/2003/F. No. 142/16/2003-TPL]
CHANDRAJIT SINGH, Under Secy.

FootNote : The principal rules were published under Notification No. S.O. 969 dated 26.3.1962 which has been amended from time to time, the last such amendment was made vide notification S.O. No.1046(E) dated 12.9.2003

EXPLANATORY MEMORANDUM

It is certified that the retrospective operation of this notification shall not be prejudicial to the interests of the assesseees.